SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

भाषा कौशल

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

भाषा कौशल:-

(1) श्रवण कौशल (सुनना)

(2) पठन/वाचन कौशल (पढ़ना)

(3) मौखिक कौशल (बोलना)

(4) लेखन कौशल (लिखना)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(1) श्रवण कौशल (सुनना):-

- चार भाषायी कौशलों में श्रवण कौशल प्रमुख है।
- भाषा शिक्षण के संदर्भ में श्रवण का अर्थ सुनकर भाव-अधिगम या भाव ग्रहण करना है।
- श्रवण एक मानसिक प्रक्रिया है।
- बच्चों की श्रवण योग्यता का विकास करने में परस्पर बातचीत सर्वाधिक सहायक है।
- मुख्यतः तीन परिस्थितियों में सार्थक श्रवण के अवसर मिलते हैं। यथा-कक्षा शिक्षण के समय, सहशैक्षिक क्रियाओं के समय तथा पाठ्येत्तर क्रियाकलापों के समय।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(2) मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (बोलना):- अपने भावी और विचारों को प्रभावी ढंग से सार्थक शब्दों में बोलकर व्यक्त करने की मौखिक अभिव्यक्ति कहते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति के निम्न पांच पक्ष हैं -

(1) शुद्ध उच्चारण।

(2) निसंकोच भावाभिव्यक्ति।

(3) उचित गति, बलाघात तथा अनुदान।

(4) उचित हाव-भाव।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(5) विचारों में क्रमबद्धता।

मौखिक अभिव्यक्ति के दो रूप हैं:-

(1) अनौपचारिक

(2) औपचारिक

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(3) पठन कौशल (पढ़ना) :-

- हम जितना अधिक पढ़ते हैं, उतना ही अधिक समझने की शक्ति बढ़ती है।
- यह कौशल के रूप में प्रारम्भ होता है और योग्यता के रूप में इसकी परिणति होती है।
- पठन कौशल भी है और योग्यता भी है।
- पठन लिपि प्रतीकों को पहचानना, उच्चारण, कुशलता, अर्थग्रहण एवं आशय समझ की योग्यता का समावेश है।

- पाठ के पठन स्तर होते हैं:- पाठ की पंक्तियों का वाचन करना व्यक्तियों को गहराई से पढ़ना, पाठ की पंक्तियों में निहित आशय को पकड़ना।

- बच्चों को पठन कुशलता का विकास करने में विभिन्न संदर्भो से जुड़ी सामग्री सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

- संदर्भानुसार अर्थ ग्रहण करना पठन कौशल में ज्यादा महत्वपूर्ण है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

(4) लेखन कौशल:-

मौखिक रूप के अन्तर्गत भाषा का ध्वन्यात्मक रूप एवं भावों की मौखिक अभिव्यक्ति है। जब इन ध्वनियों को प्रतीकों के रूप में व्यक्त किया जाता है और इन्हें लिपिबऋ करके स्थायित्व प्रदान करते हैं, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है। भाषा के इस प्रतीक रूप की शिक्षा, प्रतीकों को पहचान कर उन्हें बनाने की क्रिया अथवा ध्वनि को लिपिबद्ध करना लिखना है।

- ब्राह्मी लिपि से हिन्दी का जन्म हुआ है।
- लिखना भी एक तरह की बातचीत है।
- देवनागरी लिपि के लेखन के लिए चार रेखाओं वाली अभ्यास पुस्तिका का प्रयोग किया जा सकता है।
- लेखन कला का विकास अभ्यास से होता है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

लेखन कौशल के गुण

- लेखन, सुन्दर, स्पष्ट एवं सुडौल हो।
- उसमें प्रवाहशीलता एवं क्रमबद्धता हो।
- विषय (शिक्षण) सामग्री उपयुक्त अनुच्छेदों में विभाजित हो।
- भाषा एवं शैली में प्रभावोत्पादकता हो।
- भाषा व्याकरण सम्मत हो।
- अभिव्यक्ति संक्षिप्त, स्पष्ट तथा प्रभावोत्पादक हो।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए कम प्रभावी तरीका कौन सा है?

Ans.व्याकरण आधारित संरचना अभ्यास।

- उच्चारण कौशल की परीक्षा किससे ली जा सकती है?

Ans.मौखिक परीक्षा।

- परस्पर बातचीत मुख्यतः -

Ans.सुनने व बोलने के कौशलों के विकास में सहायक है।

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- बोलना कौशल के विकास के लिए सबसे अधिक महत्व सिद्ध हो सकता है?

Ans.परस्पर वार्तालाप से।

- मौखिक भाषा के आकलन का सर्वोत्तम तरीका है?

Ans.अनुभव बढ़ाना व बातचीत करना।

- बोलना कौशल में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

Ans.शुद्ध उच्चारण।

- किसका संबंध बोलने के कौशल के विकास से नहीं है?

Ans.प्रतिलिपि से।